HINDUSTAN TIMES, Delhi, 3.7.2021
Page No. 14, Size:(4.60)cms X (4.82)cms.

Satish Agnihotri joins as new Managing Director, NHSRCL

Satish Agnihotri (Retd.), Former Chairman and Managing Director, Rail Vikas Nigam Limited has taken over charge as Managing Director, National High Speed Rail Corporation Ltd. He holds a Bachelor of Engineering (Civil), 1982 and Master of Engineering (Structures), 1984, both from IIT, Roorkee.

TIMES OF INDIA, Delhi, 8.7.2021
Page No. 10, Size:(5.68)cms X (4.92)cms.

APPOINTMENT

S. Agnihotri joins as new MD of NHSRC: Satish Agnihotri, IRSE officer of 1982 exam batch, has taken the charge as Managing Director, National High Speed Rail Corporation Ltd (NHSRC). Agnihotri comes with more than 19 years of experience in implementation of mega rail infrastructure projects. He has worked as Chairman & Managing Director of Rail Vikas Nigam Limited (RVNL), a schedule 'A' CPSE under the Ministry of Railways for close to 9 years. He also held the position of Chairman, High Speed Rail Corporation Ltd (HSRC).

Hindustan Times

New Delhi

02-07-2021

NHSRCL gets new chief

New Delhi: The National High Speed Rail Corporation Ltd (NHSRCL), which is implementing the country's first bullet train project, has got a new managing director. Former CMD of Rail Vikas Nigam Ltd (RVNL), Satish Agnihotri took charge on Thursday.

BULLET TRAIN PROJECT

An IRSE officer of 1982 batch, Agnihotri holds a Bachelor of Engineering (civil) and Master of Engineering (structures) from IIT, Roorkee, and was conferred the Alumnus Award in 2013 by the institution. He has over 19 years of experience in implementation of rail infrastructure projects. Prior to RVNL, he held the position of chairman of High Speed Rail Corporation Ltd (HSRC). TNN

Times of India

New Delhi

02-07-2021

Bullet train project agency gets new MD

New Delhi: The National High Speed Rail Corporation Ltd (NHSRCL), which is implementing the country's first bullet train project, has got a new managing director.

Former CMD of Rail Vikas Nigam Ltd (RVNL), Satish Agnihotri took charge on Thursday. Agnihotri is an IRSE officer of 1982 batch. TNN

DAINIK BHASKAR, Surat, 4.7.2021
Page No. 3, Size:(14.21)cms X (13.77)cms.

सतीश अग्निहोत्री नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पो. के एमडी बने

निर्माण कार्य में और अधिक तेजी आने की संभावना

सूरत| सतीश अग्निहोत्री नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

के नए प्रबंध निदेशक (एमडी) का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने आईआईटी रुड़की से वर्ष 1982 में बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग (सिविल), जबकि आईआईटी रुड़की से ही वर्ष 1984 में मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग (स्ट्रक्चर) की डिग्री प्राप्त की है। आईआईटी रुड़की द्वारा वर्ष 2013 में सम्मानित भी किया गया है। अग्निहोत्री ने मेगा रेल बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के कार्यान्वयन में 20 साल से अधिक का अनुभव प्राप्त है। साथ ही उन्होंने रेल विकास निगम में बतौर निदेशक काम किया है। बुलेट ट्रेन परियोजना का इन दिनों तेजी से काम किया जा रहा है। एनएचएसआरसीएल की प्रवक्ता सुषमा गौड़ ने बताया कि अब हाई स्पीड रेल परियोजना निर्माण कार्य में और भी गति आएगी। सूरत में भी बुलेट ट्रेन हाई स्पीड रेल स्टेशन का काम आगे बढ़ रहा है।

NAVBHARAT TIMES, Delhi, 10.7.2021
Page No. 15, Size:(8.35)cms X (3.33)cms.

सतीश अग्निहोत्री बने NHSRC के नए MD

■ **वि, नई दिल्ली** : सतीश अग्निहोत्री ने नैशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर का कार्यभार संभाला है। इससे पहले वे रेल विकास निगम में चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर के पद पर भी अपनी सेवा दे चुके हैं। उनके पास मेगा रेल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में क्रियान्वन का 19 से ज्यादा सालों का अनुभव है।

NAITIK AWAAZ, Lucknow, 8.7.2021
Page No. 5, Size:(6.22)cms X (8.35)cms.

सतीश अग्निहोत्री को मिली नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन की कमान

पालघर, मुम्बई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट 'बुलेट ट्रेन' की कमान अब एक तेज तर्रार रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री के हाथों में दी गई है। रिटायर्ड रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को नेशनल हाईस्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड का नया एमडी नियुक्ति किया गया है। सतीश अग्निहोत्री को तीन साल के लिए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

तेज तर्रार अधिकारी की छवि रखने वाले सतीश अग्निहोत्री वर्ष 1982 बैच के आईआरएसई अधिकारी हैं। उन्होंने 2018 में रेल विकास निगम लिमिटेड के प्रमुख के रूप में कार्य करते हुए रेलवे में अपने कार्यों से अमिट छाप छोड़ी। जो उनके जूनियर अफसरों के लिए आज भी एक नजीर है। मुंबई-अहमदाबाद के बीच चलने वाली हाईस्पीड ट्रेन के प्रोजेक्ट में कई तरह की दिक्कतों के चलते कुछ सालों की देरी हो गई है। इस प्रोजेक्ट में 21 किलोमीटर की लाइन जमीन के अंदर बिछाई जानी है, जिसमें मुंबई के पास समुद्र के भीतर 7 किलोमीटर की लंबी सुरंग भी शामिल है। भारत की पहली बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की कमान मोदी सरकार द्वारा तेज तर्रार रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को सौंपे जाने के बाद उम्मीद की जा रही है, कि भारत में भी जल्द ही बुलेट ट्रेन दौड़ती दिखेगी।

UTTAR SHAKTI, Mumbai, 8.7.2021
Page No. 5, Size:(5.49)cms X (5.90)cms.

सतीश अग्निहोत्री को मिली नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन की कमान

मुंबई(उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन की कमान अब एक तेज तर्राट रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री के हाथों में दी गई है। रिटायर्ड रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को नेशनल हाईस्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड का नया एमडी नियुक्ति किया गया है। सतीश अग्निहोत्री को तीन साल के लिए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। तेज तर्रार अधिकारी की छवि रखने वाले सतीश अग्निहोत्री वर्ष 1982 बैच के आईआरएसई अधिकारी हैं। उन्होंने 2018 में रेल विकास निगम लिमिटेड के प्रमुख के रूप में कार्य करते हुए रेलवे में अपने कार्यों से अमिट छाप छोड़ी। जो उनके जूनियर अफसरों के लिए आज भी एक नजीर है। मुंबई-अहमदाबाद के बीच चलने वाली हाईस्पीड ट्रेन के प्रोजेक्ट में कई तरह की दिक्कतों के चलते कुछ सालों की देरी हो गई है। इस प्रोजेक्ट में 21 किलोमीटर की लाइन जमीन के अंदर बिछाई जानी है, जिसमें मुंबई के पास समुद्र के भीतर 7 किलोमीटर की लंबी सुरंग भी शामिल है। भारत की पहली बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की कमान मोदी सरकार द्वारा तेज तर्राट रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को सौंपे जाने के बाद उम्मीद की जा रही है,कि भारत में भी जल्द ही बुलेट ट्रेन दौड़ती दिखेगी।

Sarkaritel

New Delhi

02-07-2021

Satish Agnihotri takes charge as new MD of NHSRCL

New Delhi, July 2 Satish Agnihotri, a 1982 batch IRSE officer (retired) on Thursday took charge as the new Managing Director of the National High Speed Rail Corporation Ltd (NHSRCL), which is looking after the works of the high-speed rail corridors.

NHSRCL spokesperson Sushma Gaur said that Agnihotri holds Bachelor of Engineering (Civil, 1982) and Master of Engineering (Structures, 1984) degrees from the IIT Roorkee, and was conferred with the distinguished 'Alumnus Award' by the institute in 2013.

She said that Agnihotri comes with more than 19 years of experience in th implementation of mega rail infrastructure projects.

"He had worked as the Chairman and Managing Director of the Rail Vikas Nigam Limited (RVNL) for close to nine years. He also held the position of Chairman, High Speed Rail Corporation Ltd (HSRC), a fully-owned subsidiary of RVNL, since its inception in July 2012 till August 2018," she said.

Gaur said that HSRC was the Indian-side counterpart agency for carrying out various high-speed studies which were undertaken on government-to-government basis with China, Spain etc. and completed feasibility studies of five high-speed rail corridors.

Gaur further said that during his tenure as the CMD of RVNL, it completed 7,000 km of project length including 3,000 km doubling/3rd line, 880 km conversion of metre gauge track to broad gauge, 3,000 km railway electrification, 85 km new line, six factories and many important bridges.

"A 7 km long tunnel was also completed in a record time of 25 months in a new line project in Andhra Pradesh," she added.

Achal Khare, the first MD of NHSRCL, retired on Wednesday.

"As we bid farewell to our first Managing Director Achal Khare, the NHSRCL family takes this opportunity to thank him for his inspiring leadership and trailblazing spirit towards the dream of India's first high-speed rail corridor," the NHSRCL said in a tweet.

Palgharboisar Live

Palghar

03-07-2021

पालघर बोईसर लाइव
Palgharboisar Live Palghar Boisar Live
आमजन की आवाज
पालघर,03 जुलाई 2021,शनिवार

नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन की कमान मिली सतीश अग्निहोत्री को

रिटायर्ड रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को नेशनल हाईस्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) का नया एमडी नियुक्ति किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट 'बुलेट ट्रेन' की कमान अब एक तेज तर्राट रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री के हाथों में दी गई है। रिटायर्ड रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को नेशनल हाईस्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) का नया एमडी नियुक्ति किया गया है। सतीश अग्निहोत्री को तीन साल के लिए यह ज़िम्मेदारी सौंपी गई है।

छवि एक तेज-तर्राट अधिकारी की

तेज तर्रार अधिकारी की छवि रखने वाले सतीश अग्निहोत्री वर्ष 1982 बैच के आईआरएसई अधिकारी हैं। उन्होंने 2018 में रेल विकास निगम लिमिटेड के प्रमुख के रूप में कार्य करते हुए रेलवे में अपने कार्यो से अमिट छाप छोड़ी। जो उनके जूनियर अफसरों के लिए आज भी एक नजीर है।

मुंबई-अहमदाबाद के बीच चलने वाली हाईस्पीड ट्रेन के प्रोजेक्ट में कई तरह की दिक्कतों के चलते कुछ सालों की देरी हो गई है। इस प्रोजेक्ट में 21 किलोमीटर की लाइन जमीन के अंदर बिछाई जानी है, जिसमें मुंबई के पास समुद्र के भीतर 7 किलोमीटर की लंबी सुरंग भी शामिल है। भारत की पहली बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की कमान मोदी सरकार द्वारा तेज तर्राट रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को सौंपे जाने के बाद उम्मीद की जा रही है,कि भारत में भी जल्द ही बुलेट ट्रेन दौड़ती दिखेगी।

Naamdev Mashaal

Mumbai

03-07-2021

नामदेव मशाल
Namdev Mashal Namdev Mashal 07798321285
राजेन्द्र एम.छीपा - प्रधान संपादक
MAHHIN08065/13/1/2010 समाज की आवाज
मुंबई,03 जुलाई 2021,शनिवार

सतीश अग्निहोत्री को मिली नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन की कमान

रिटायर्ड रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को नेशनल हाईस्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) का नया एमडी नियुक्ति किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट 'बुलेट ट्रेन' की कमान अब एक तेज तर्राट रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री के हाथों में दी गई है। रिटायर्ड रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को नेशनल हाईस्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) का नया एमडी नियुक्ति किया गया है। सतीश अग्निहोत्री को तीन साल के लिए यह ज़िम्मेदारी सौंपी गई है।

छवि एक तेज-तर्राट अधिकारी की

तेज तर्रार अधिकारी की छवि रखने वाले सतीश अग्निहोत्री वर्ष 1982 बैच के आईआरएसई अधिकारी हैं। उन्होंने 2018 में रेल विकास निगम लिमिटेड के प्रमुख के रूप में कार्य करते हुए रेलवे में अपने कार्यो से अमिट छाप छोड़ी। जो उनके जूनियर अफसरों के लिए आज भी एक नजीर है।

मुंबई-अहमदाबाद के बीच चलने वाली हाईस्पीड ट्रेन के प्रोजेक्ट में कई तरह की दिक्कतों के चलते कुछ सालों की देरी हो गई है। इस प्रोजेक्ट में 21 किलोमीटर की लाइन जमीन के अंदर बिछाई जानी है, जिसमें मुंबई के पास समुद्र के भीतर 7 किलोमीटर की लंबी सुरंग भी शामिल है। भारत की पहली बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की कमान मोदी सरकार द्वारा तेज तर्राट रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को सौंपे जाने के बाद उम्मीद की जा रही है,कि भारत में भी जल्द ही बुलेट ट्रेन दौड़ती दिखेगी।

Tarun Mitr

Mumbai

03-07-2021

रेलवे के पूर्व अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को मिली बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी

तरुणमित्र-ओमप्रकाश द्विवेदी

प्रधानमंत्री मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट के लिए तीन वर्ष का है कार्यकाल

मुंबई। नेशनल हाईस्पीड रेल कापोर्रेशन लिमिटेड यानि एनएचएसआरसीएल का नये कार्यकारी अध्यक्ष के रुप में रेलवे के एक तेज तर्रार सेवानिवृत्त अधिकारी सतीश अग्निहोत्री के हाथों जिम्मेदारी सौपी गयी है। वे प्रधानमंत्री मोदी की ड्रीम प्रोजेक्ट मुंबई से अहमदाबाद के बीच दौड़ने वाली बुलेट ट्रेन को जल्दी ही पटरी पर लाने की तेजी से कारवाई शुरू करे। सतीश अग्निहोत्री का कार्यकाल अगले तीन वर्ष के लिए निर्धारित किया गया है। बताया जा रहा है कि रेलवे से सेवानिवृत्त सतीश अग्निहोत्री सन1982 बैच के आईआरएसई अधिकारी है। रेलवे के तमाम जिम्मेदार पदों कार्य कर चुके अग्निहोत्री ने सन 2018 में रेल विकास निगम लिमिटेड के प्रमुख के तौर पर सेवा करते हुए बहुमूल्य योगदान दिया है। यह उनके अधिनस्थों के लिए मिशाल है। जानकारी के लिए बतादें कि मुंबई अहमदाबाद के बीच दौड़ने वाली बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में आने वाली बाधाओं के कारण थोड़ा जरूर बिलंब हुआ है। लेकिन फिर भी गुजरात में प्रोजेक्ट पर काम तेजी से शुरू है। इस प्रोजेक्ट पर 21 किमी. की रेल लाईन जमीन के अंदर बिछानी है। मुंबई के समीप 7 किमी. की लंबी सुरंग भी इसमें शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नेशनल हाईस्पीड रेल कापोर्रेशन लिमिटेड के नये कार्यकारी अध्यक्ष के रुप में भरोसेमंद सतीश अग्निहोत्री को नियुक्त किये जाने के पश्चात उम्मीद जताया जा रहा है कि अब जल्दी ही भारत की पहली बुलेट ट्रेन पटरी पर दौड़ती नजर आयेगीं।

Dainik Pahla Samachar

Palghar, Mumbai

04-07-2021

सतीश अग्निहोत्री को मिली पीएम मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन की कमान

अजीत सिंह

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन की कमान अब एक तेज तर्राट रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री के हाथों में दी गई है। रिटायर्ड रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को नेशनल हाईस्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड (**NHSRCL**) का नया एमडी नियुक्ति किया गया है। सतीश अग्निहोत्री को तीन साल के लिए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। तेज तर्रार अधिकारी की छवि रखने वाले सतीश अग्निहोत्री वर्ष 1982 बैच के आईआरएसई अधिकारी हैं। उन्होंने 2018 में रेल विकास निगम लिमिटेड के प्रमुख के रूप में कार्य करते हुए रेलवे में अपने कार्यो से अमिट छाप छोड़ी। जो उनके जूनियर अफसरों के लिए आज भी एक नजीर है। मुंबई-अहमदाबाद के बीच चलने वाली हाईस्पीड ट्रेन के प्रोजेक्ट में कई तरह की दिक्कतों के चलते कुछ सालों की देरी हो गई है। इस प्रोजेक्ट में 21 किलोमीटर की लाइन जमीन के अंदर बिछाई जानी है, जिसमें मुंबई के पास समुद्र के भीतर 7 किलोमीटर की लंबी सुरंग भी शामिल है। भारत की पहली बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की कमान मोदी सरकार द्वारा तेज तर्राट रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को सौंपे जाने के बाद उम्मीद की जा रही है,कि भारत में भी जल्द ही बुलेट ट्रेन दौड़ती दिखेगी।

Rajasthan Patrika

Palghar, Mumbai

05-07-2021

सतीष अग्निहोत्री एनएचआरसीएल के नए प्रबंध निदेशक

गांधीनगर @ पत्रिका. सतीश अग्निहोत्री को नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचआरसीएल) का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। अग्निहोत्री वर्ष 1982 बैच के आईआरएसई अधिकारी हैं। आईआईटी- रुड़की से बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग (सिविल) और मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग (स्ट्रक्चर) की डिग्री हासिल कर चुके अग्निहोत्री को मेगा रेल बुनियादी ढांचे परियोजनाओं के कार्यान्वयन में 20 से अधिक वर्षों का अनुभव है। रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) में चेयरमैन व प्रबंध निदेशक के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने 3000 किमी दोहरी/ तीसरी लाइन सहित 7000 किमी लंबाई की परियोजना की लंबाई पूरी की। वहीं आंध्र प्रदेश में नए लाइन प्रोजेक्ट में 25 माह के रिकार्ड टाइम में सात किलोमीटर लम्बी टनल बनाने का भी कार्य किया है। 2013 में आईआईटी- रुड़की ने उन्हें प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पुरस्कार प्रदान किया।

Divya Bhaskar

Surat Gujarat, Mumbai

05-07-2021

દિવ્ય ભાસ્કર

સુરત 05-07-2021

સતીષ અગ્નિહોત્રી નેશનલ હાઈ સ્પીડ રેલ કોર્પોના નવા MD બન્યા

સુરત : કેન્દ્ર સરકારે પહેલી જુલાઈએ નેશનલ હાઇ સ્પીડ રેલ કોર્પોરેશન લિમિટેડના નવા મેનેજિંગ ડિરેક્ટર તરીકે સતીષ અગ્નિહોત્રીની નિમણૂક કરી છે. સતીષ અગ્નિહોત્રી પાસે બીઇ સિવિલ અને એમઇ સ્ટ્રક્ચરની ડિગ્રી છે. એ સાથે જ એમણે મેગા રેલ ઈન્ફ્રાસ્ટ્રક્ચરમાં 20 વર્ષથી પણ વધારે કામ કર્યું છે. તેઓ રેલ વિકાસ નિગમ લિમિટેડમાં ચેરમેન અને એમડી તરીકે નવ વર્ષથી પણ વધારે ફરજ બજાવી ચુક્યા છે.

Dainik Dabang Dunia

Palghar, Mumbai

06-07-2021

दैनिक दबंग दुनिया

सतीश अग्निहोत्री को मिली बुलेट ट्रेन की कमान

दबंग रिपोर्टर >> **पालघर**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन की कमान अब एक तेज तर्राट रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री के हाथों में दी गई है। रिटायर्ड रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को नेशनल हाईस्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड का नया एमडी नियुक्ति किया गया है। सतीश अग्निहोत्री को तीन साल के लिए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। तेज तर्रार अधिकारी की छवि रखने वाले सतीश अग्निहोत्री वर्ष 1982 बैच के आईआरएसई अधिकारी हैं। उन्होंने 2018 में रेल विकास निगम लिमिटेड के प्रमुख के रूप में कार्य करते हुए रेलवे में अपने कार्यो से अमिट छाप छोड़ी। जो उनके जूनियर अफसरों के लिए आज भी एक नजीर है। मुंबई-अहमदाबाद के बीच चलने वाली हाईस्पीड ट्रेन के प्रोजेक्ट में कई तरह की दिक्कतों के चलते कुछ सालों की देरी हो गई है। इस प्रोजेक्ट में 21 किलोमीटर की लाइन जमीन के अंदर बिछाई जानी है, जिसमें मुंबई के पास समुद्र के भीतर 7 किलोमीटर की लंबी सुरंग भी शामिल है। भारत की पहली बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की कमान मोदी सरकार द्वारा तेज तर्राट रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को सौंपे जाने के बाद उम्मीद की जा रही है,कि भारत में भी जल्द ही बुलेट ट्रेन दौड़ती दिखेगी।

Ek Aur Jung

Palghar, Mumbai

06-07-2021

ताजा खबरों के लिए मुंबई, ठाणे, पनवेल, वसई-विरार, कल्याण-डोंबिवली, अंबरनाथ, बदलापुर, भिवंडी, उल्हासनगर में नियमित पढिए

लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

एक और जंग

RNI No. : MAHHIN 24403/2008
Postal Reg.No.:THC/239/2019-2021

संपादक : समशाद मोहम्मद अली
मो.नं. 8408903786

ekaurjung786@gmail.com

वर्ष : १४ | अंक : ७० | मंगलवार, दि. ०६/०७/२०२१ | २ रुपये | पृष्ठ : ४

कार्यकारी संपादक : मुस्ताक समशाद अली
मो.नं. 9850531921

सतीश अग्निहोत्री को मिली नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन की कमान

डोंबिवली (संवाददाता) –

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट 'बुलेट ट्रेन' की कमान अब एक तेज तर्राट रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री के हाथों में दी गई है। रिटायर्ड रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को नेशनल हाईस्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड का नया एमडी नियुक्ति किया गया है।

सतीश अग्निहोत्री को तीन साल के लिए यह ज़िम्मेदारी सौंपी गई है। तेज तर्रार अधिकारी की छवि रखने वाले सतीश अग्निहोत्री वर्ष १९८२ बैच के आईआरएसई अधिकारी हैं। उन्होंने २०१८ में रेल विकास निगम लिमिटेड के प्रमुख के रूप में कार्य करते हुए रेलवे में अपने कार्यो से अमिट छाप छोड़ी। जो उनके जूनियर अफसरों के लिए आज भी एक नजीर है। मुंबई–अहमदाबाद के बीच चलने वाली हाईस्पीड ट्रेन

पेज ०२

सतीश अग्निहोत्री को मिली...

के प्रोजेक्ट में कई तरह की दिक्कतों के चलते कुछ सालों की देरी हो गई है। इस प्रोजेक्ट में २१ किलोमीटर की लाइन जमीन के अंदर बिछाई जानी है, जिसमें मुंबई के पास समुद्र के भीतर ७ किलोमीटर की लंबी सुरंग भी शामिल है। भारत की पहली बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की कमान मोदी सरकार द्वारा तेज तर्राट रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को सौंपे जाने के बाद उम्मीद की जा रही है,कि भारत में भी जल्द ही बुलेट ट्रेन दौड़ती दिखेगी।

1997 से
KAT खबरें आज तक
not a publication of the living media india group R.N.I. NO.69232/98
वर्ष: 25 अंक-28 मुंबई, मंगलवार 6 जुलाई 2021 पृष्ठ-12 मूल्य : 2.00

बुलेट ट्रेन' की कमान अब सतीश अग्निहोत्री के हाथों

वसई : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट 'बुलेट ट्रेन' की कमान अब एक तेज तर्रार रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री के हाथों में दी गई है।रिटायर्ड रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को नेशनल हाईस्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) का नया एमडी नियुक्ति किया गया है सतीश अग्निहोत्री को तीन साल के लिए यह ज़िम्मेदारी सौंपी गई है।

सौंपे जाने के बाद उम्मीद की जा रही है : तेज तर्रार अधिकारी की छवि रखने वाले सतीश अग्निहोत्री वर्ष 1982 बैच के आईआरएसई अधिकारी हैं। उन्होंने 2018 में रेल विकास निगम लिमिटेड के प्रमुख के रूप में कार्य करते हुए रेलवे में अपने कायी से अमिट छाप छोड़ी। जो उनके जूनियर अफसरों के लिए आज भी एक नजीर है। मुंबई-अहमदाबाद के बीच चलने वाली हाईस्पीड ट्रेन के प्रोजेक्ट में कई तरह की दिक्कतों के चलते कुछ सालों की देरी हो गई है। इस प्रोजेक्ट में 21 किलोमीटर की लाइन जमीन के अंदर बिछाई जानी है, जिसमें मुंबई के पास समुद्र के भीतर 7 किलोमीटर की लंबी सुरंग भी शामिल है। भारत की पहली बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की कमान मोदी सरकार द्वारा तेज तर्रार रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को कि भारत में भी जल्द ही बुलेट ट्रेन दौड़ती दिखेगी।

Global Knowledge

Palghar, Mumbai

07-07-2021

RNI No. MAHHIN/2010/49493 Postal Reg. No. THC/229/2019-2021

राष्ट्रीय हिंदी साप्ताहिक

ग्लोबल नॉलेज

E-mail - newsglobal6@gmail.com (संपूर्ण मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगड, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, डहाणु से एक साथ प्रकाशित) Mob. 8976521508

सतीश अग्निहोत्री को मिली नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन की कमान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट 'बुलेट ट्रेन' की कमान अब एक तेज तर्रार रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री के हाथों में दी गई है। रिटायर्ड रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को नेशनल हाईस्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) का नया एमडी नियुक्ति किया गया है। सतीश अग्निहोत्री को तीन साल के लिए यह ज़िम्मेदारी सौंपी गई है। तेज तर्रार अधिकारी की छवि रखने वाले सतीश अग्निहोत्री वर्ष 1982 बैच के आईआरएसई अधिकारी हैं। उन्होंने 2018 में रेल विकास निगम लिमिटेड के प्रमुख के रूप में कार्य करते हुए रेलवे में अपने कार्यो से अमिट छाप छोड़ी। जो उनके जूनियर अफसरों के लिए आज भी एक नजीर है। मुंबई-अहमदाबाद के बीच चलने वाली हाईस्पीड ट्रेन के प्रोजेक्ट में कई तरह की दिक्कतों के चलते कुछ सालों की देरी हो गई है। इस प्रोजेक्ट में 21 किलोमीटर की लाइन जमीन के अंदर बिछाई जानी है, जिसमें मुंबई के पास समुद्र के भीतर 7 किलोमीटर की लंबी सुरंग भी शामिल है। भारत की पहली बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की कमान मोदी सरकार द्वारा तेज तर्रार रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को सौंपे जाने के बाद उम्मीद की जा रही है,कि भारत में भी जल्द ही बुलेट ट्रेन दौड़ती दिखेगी।

खबरें दिनरात, मुंबई, 5 जुलाई 2021

सतीश अग्निहोत्री को मिली मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट की कमान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट 'बुलेट ट्रेन' की कमान अब एक तेज तर्रार रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री के हाथों में दी गई है। रिटायर्ड रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को नेशनल हाईस्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड का नया एमडी नियुक्ति किया गया है। सतीश अग्निहोत्री को तीन साल के लिए यह ज़िम्मेदारी सौंपी गई है।

तेज तर्रार अधिकारी की छवि रखने वाले सतीश अग्निहोत्री वर्ष 1982 बैच के आईआरएसई अधिकारी हैं। उन्होंने 2018 में रेल विकास निगम लिमिटेड के प्रमुख के रूप में कार्य करते हुए रेलवे में अपने कार्यों से अमिट छाप छोड़ी। जो उनके जूनियर अफसरों के लिए आज भी एक नजीर है। मुंबई-अहमदाबाद के बीच चलने वाली हाईस्पीड ट्रेन के प्रोजेक्ट में कई तरह की दिक्कतों के चलते कुछ सालों की देरी हो गई है। इस प्रोजेक्ट में 21 किलोमीटर की लाइन जमीन के अंदर बिछाई जानी है, जिसमें मुंबई के पास समुद्र के भीतर 7 किलोमीटर की लंबी सुरंग भी शामिल है। भारत की पहली बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की कमान मोदी सरकार द्वारा तेज तर्रार रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को सौंपे जाने के बाद उम्मीद की जा रही है,कि भारत में भी जल्द ही बुलेट ट्रेन दौड़ती दिखेगी।

तीर्थराज टाइम्स, प्रयागराज, 5 जुलाई 2021

सतीश अग्निहोत्री को मिली नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन की कमान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट 'बुलेट ट्रेन' की कमान अब एक तेज तर्रार रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री के हाथों में दी गई है। रिटायर्ड रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को नेशनल हाईस्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) का नया एमडी नियुक्ति किया गया है। सतीश अग्निहोत्री को तीन साल के लिए यह ज़िम्मेदारी सौंपी गई है। छवि एक तेज-तर्रार अधिकारी की तेज

तर्रार अधिकारी की छवि रखने वाले सतीश अग्निहोत्री वर्ष 1982 बैच के आईआरएसई अधिकारी हैं। उन्होंने 2018 में रेल विकास निगम लिमिटेड के प्रमुख के रूप में कार्य करते हुए रेलवे में अपने कार्यो से अमिट छाप छोड़ी। जो उनके जूनियर अफसरों के लिए आज भी एक नजीर है। मुंबई-अहमदाबाद के बीच चलने वाली हाईस्पीड ट्रेन के प्रोजेक्ट में कई तरह की दिक्कतों के चलते कुछ सालों की देरी हो गई है। इस प्रोजेक्ट में 21 किलोमीटर की लाइन जमीन के अंदर बिछाई जानी है, जिसमें मुंबई के पास समुद्र के भीतर 7 किलोमीटर की लंबी सुरंग भी शामिल है। भारत की पहली बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की कमान मोदी सरकार द्वारा तेज तर्राट रेल अधिकारी सतीश अग्निहोत्री को सौंपे जाने के बाद उम्मीद की जा रही है,कि भारत में भी जल्द ही बुलेट ट्रेन दौड़ती दिखेगी।

Daily World, CHANDIGARH, 5 JULY 2021

Right Man for the Right Job

SRINAND JHA / NEW DELHI

SATISH AGNIHOTRI has taken charge as Chairman cum Managing Director of the National High Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) at a rather critical juncture. The completion deadline of the Mumbai-Ahmedabad HSR project - described as Prime Minister Narendra Modi's pet scheme - has reportedly been stretched forward by five years: From 2023 to 2028. Project costs have spiralled, while the Indian and Japanese government (project financer) have been unable to thrash out the arithmetics on revised costs. Execution tasks have apparently become tougher because of the Uddhav Thackeray government's apparent reluctance in parting with the land required for the project in Maharashtra.

Hopes in official circles seems to rest on such a premise: That Agnihotri - a 1982 batch officer of the Indian Railway Service of Engineers (IRSE) - would be able to bring about the same kind of a turnaround that he had so successfully executed in the Rail Vikas Nigam Limited (RVNL) during his stewardship of the organisation for close to nine years. During his tenure as the Chairman cum Managing Director, the RVNL was awarded the "Mini Ratna"status for the first time in 2003 and achieved the rating of " Excellent performance"for nine consecutive years. From revenues of Rs. 1445 crores in 2010-11 - the year Agnihotri joined as CMD - the figures shot up to Rs. 8000 crores in 2017-18 - an increase of as much as 453 percent. During the period, the RVNL completed 7000 km rail lines including 3000 km of doubling/third line, 880 km of gauge conversion and 3000 km of rail electrification. In settling upon the candidature of Agnihotri, the policy makers were apparently influenced by another fact: That, amongst all his peers, Agnihotri is the only officer to have had a consistent and intense involvement with

India's high speed plans. From July 2012 to August 2018, he functioned as the Chairman of the High Speed Rail Corporation - the precursor of the HSRCL. After the Appointments Committee of Cabinet approved his selection on June 8, Agnihotri took charge as NHSRCL Managing Director on July 1.

/ DAILY WORLD /